بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡد
لَا اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ
دفتر مجلس انصاراللہ بھارت
Office Of The Majlis Ansarullah Bharat
Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA
Mob.9682536974.E-Mail :ansarullah@qadian.in Khulasa Khutba-11.08.2023 محلہ احمدیہ قادیان ۱۴۳۵۱۶ ضلع گورداسپور (پنجاب)

अहमदिया जमाअत के साथ अल्लाह के समर्थन एवं फ़ज़्लों का ईमान वर्धक वर्णन।

सारांश ख़ुत्बः जुम्अः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा 11 अगस्त 2023, स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद यू. के.।

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ

امّا بعد فاعوذ باللہ من الشیطٰن الرجیم۔ بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ

اَلۡحَمۡدُ لِلّٰہِ رَبِّ الۡعَالَمِیۡنَ ۔ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ ۔ مٰلِکِ یَوۡمِ الدِّیۡنِ ۔ اِیَّاکَ نَعۡبُدُ وَ اِیَّاکَ نَسۡتَعِیۡنُ ۔ اِہۡدِنَا الصِّرَاطَ الۡمُسۡتَقِیۡمَ ۔ صِرَاطَ الَّذِیۡنَ اَنۡعَمۡتَ عَلَیۡہِمۡ غَیۡرِ الۡمَغۡضُوۡبِ عَلَیۡہِمۡ وَلَا الضَّآلِّیۡنَ ۔

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया-

अल्लाह तआला के वादे के अनुसार आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के सच्चे दास की जमाअत पर हर दिन अल्लाह तआला के फ़ज़्लों की वर्षा होती है इसका वर्णन जलसे की रिपोर्ट में होता है किन्तु कम समय में सब कुछ बयान करना सम्भव नहीं, इनमें से कुछ आज भी बयान करूँगा।

कंशासा के लोकल मिश्नरी हमीद साहब लिखते हैं कि वेरा नगर में हमारे रेडियो प्रोग्राम को सुनकर मस्जिद के स्थानीय इमाम ईसा साहब ने जमाअत से सम्पर्क किया तथा मिशन हाउस आए, जमाअत के पैग़ाम को समझा और बैअत कर ली, फिर अपने गाँव जाकर तबलीग़ की तथा चौबीस लोग अहमदियत में दाख़िल हुए। बाद में हमारे मुबल्लिग़ न उस गाँव का दौरा किया तथा आठ अन्य लोग जमाअत में दाख़िल हुए। इस प्रकार वहाँ नई जमाअत क़ायम हो गई।

कंशासा के एक प्रदेश माइन दोम्बे के एक गाँव में मुअल्लिम मुनव्वर साहब को तबलीग़ के लिए भेजा गया। वहाँ उन्होंने पम्फ़लैट बाँटे। उनको बाँटते समय कुछ लोगों ने पत्थर मारे तथा शोर मचाया। मुअल्लिम साहब पत्थरों से बचते हुए तबलीग़ करते रहे। लोग उनके धैर्य एवं सहन शीलता से बड़े प्रभावित हुए। वहाँ की मस्जिद में जाकर उन्होंने लोगों के प्रश्नों के संतुष्टि पूर्ण उत्तर दिए। चालीस बयालीस लोगों ने जमाअत की तबलीग़ से प्रभावित होकर बैअत कर ली तथा नई जमाअत क़ायम हो गई।

गिनी बसाव के तमामे नामक इमाम कहते हैं कि आज तक हम जमाअत के बारे में यही सुनते आए हैं कि आप आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम और क़ुर्आन तथा हदीस को नहीं मानते। आज हमने जलसे में आपके ख़लीफ़ः को देखा और सुना। उन्होंने अल्लाह तआला, रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम तथा क़ुर्आन व हदोस से उपदेश दिए। मुझे विश्वास हो गया कि जमाअत के विरुद्ध झूठा प्रोपगंडा हो रहा है और झूठा प्रोपगंडा सदैव इलाही जमाअतों के विरुद्ध होता है इस लिए मैं आज से अहमदिया जमाअत में दाख़िल होता हूँ।

बरोंडी के एक क़स्बे में सुन्नो मस्जिद के इमाम ने बड़ी कोशिश की कि जमाअत की मस्जिद को बंद करवाया जाए परन्तु उसकी एक न चली। हमारे मुअल्लिम साहब को बुलाया तथा मसीह की मृत्यु के विषय में वार्ता आरम्भ हुई। हमारे मुअल्लिम ने जब तर्क दिए तो उनसे कोई जवाब न बन पड़ा और जमाअत पर काफ़िर होने का फ़त्वा लगा दिया। उन्हीं के एक व्यक्ति ने कहा कि जमाअत का इस्लाम समझ में आता है, किन्तु आपका नहीं। आपस में ही उनमें लड़ाई हो गई और शासन ने तीन महीने के लिए उनकी मस्जिद को बन्द कर दिया। अब यह तरीक़ा पाकिस्तान के तथाकथित आलिमों की भांति हर जगह धारण कर रहे हैं कि अहमदियों की मस्जिदें बन्द कराओ अथवा मीनार या महराबें गिरा दो। जबकि पाकिस्तान के किसी संविधान में नहीं लिखा कि अहमदियों को मीनार बनाने की अनुमति नहीं है परन्तु शासन इन तथाकथित मौलवियों के सामने घुटने टेकने पर मजबूर है और ये मौलवी हानि पहुंचाने की अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं किन्तु इन्शाअल्लाह तआला एक दिन ये स्वयं ही सब मर जाएँगे।

पाकिस्तान में हमारे क़ुर्आन के प्रकाशन पर पाबन्दी है, अनुवाद का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। कुछ लोगों पर ऐसे कस लगाए गए हैं कि तुम क़ुर्आन क्यूँ सुन रहे हो। यह तथाकथित मुसलमानों का इस्लाम है। इसके मुक़ाबले पर अल्लाह तआला हमारे रास्ते खोल रहा है। तंज़ानिया के एक मुअल्लिम साहब ने बताया कि तीस किलोमीटर दूर से एक व्यक्ति का फ़ोन आया कि वे क़ुर्आन करीम का सवाहिली भाषा का अनुवाद ख़रीदना चाहते हैं, उसे बताया गया कि उनके इलाक़े में मिल जाता है परन्तु उसने कहा कि मुझे जमाअत का अनुवाद तथा तफ़सीर पसन्द है और यही चाहिए।

पश्चिमी दुनिया में भी कुछ देश जैसे स्वीडन और डैनमार्क इत्यादि में क़ुर्आन करीम का अपमान किया जा रहा है, वहीं पर जब इस्लाम की सुन्दर शिक्षा पेश की जाती है तो विरोधियों के व्यवहार बदल जाते हैं आज अहमदिया जमाअत ही क़ुर्आन करीम के स्तर को ऊँचा करने तथा इसकी शिक्षाएँ फैलाने में प्रयासरत है।

क़ुर्आन करीम के प्रकाशन तथा इस्लामी शिक्षा पर आधारित लिट्रेचर का लोगों पर किस प्रकार प्रभाव होता है इस बारे में एक घटना भी बयान करता हूँ। गौला घाट बुक फ़ेयर के अवसर पर एक मुसलमान प्रोफ़ैसर शबाना यासमीन साहिबा ने जब हमारे स्टाल को देखा तो बड़ी प्रसन्न हुईं और सीधा आकर क़ुर्आन मजीद का आसामी भाषा का अनुवाद उठाया और अपने साथी प्रोफैसर साहब से कहने

लगीं कि आज मेरा यह सपना पूरा हो गया है। मैं एक लम्बी अवधि से क़ुर्आन करीम के आसामी अनुवाद की खोज में थी। मेरे एक अध्यापक थे जिन्होंने कई बार मुझसे क़ुर्आन मजीद के आसामो अनुवाद को माग को थो किन्तु मेरे पास क़ुर्आन करीम का आसामी अनुवाद न होने के कारण मैं उनका न दे सकी। इस कारण से मुझे अति लाज आती थी तथा अपने मुसलमान होने पर खेद होता था। मेरे अध्यापक के देहान्त के बाद आज मुझे यह क़ुर्आन करीम मिला।

धीमाजी बुक फ़ेयर में एक हिन्दू महिला बांती नामक दो बार उसमें आई थी। ये लार्ड शिवा का मन्दिर बना रही हैं तथा उसका प्रचार करती है। जब उसने हमारे स्टाल को देखा तो चकित रह गई कि इस क्षेत्र में जहाँ मुसलमानों की आबादी बहुत कम है वहां एक इस्लामी स्टाल लगा है। उसने हमारे स्टाल पर आकर बातचीत की, बड़ी प्रसन्न होकर वापस गई। अगले दिन फिर वापस आई, स्टाल में उपस्थित सब लोगों के लिए फल इत्यादि लेकर आई तथा क़ुर्आन मजीद को देख का बहुत ख़ुश हुई। उसने क़ुर्आन मजीद ख़रीदते हुए इस बात को व्यक्त किया कि आज मेरे जीवन का एक सपना आपने पूरा कर दिया है।

अन्तिम शरीअत की किताब क़ुर्आन करीम जिसका पढ़ना, सुनना, रखना भी पाकिस्तान में अहमदियों के लिए निषेध है तथा एक बड़ा दोष है, वही किताब है जिसके माध्यम से अहमदिया जमाअत दुनिया में इस्लाम का पैग़ाम पहुंचा रही है तथा दुनिया का सुधार कर रही है। माईकरोनेशिया के मुबल्लिग़ शजील साहब कहते हैं कुछ समय पहल एक व्यक्ति साइमन गडन न जमाअत स सम्पक करक क़ुआन-ए-पाक को एक प्रति प्राप्त को, क़छ अवधि बीत जाने के बाद एक दिन अचानक उनका सन्देश आया कि मैं भेंट करना चाहता हूँ। जब मस्जिद आए ता कहने लगे कि पूरा जीवन मैंने बाईबिल को बड़े ध्यान पूर्वक पढ़ा है परन्तु चेष्टा के बावजूद उसकी शिक्षा दिल में नहीं बैठती, समझ नहीं आई कुछ भी। परन्तु जब स़े कुर्आन करीम पढ़ना शुरु किया है तो ऐसा लगा कि उसका हर एक शब्द दिल में सीधा दाख़िल हो रहा है। वे इस बात पर चकित थे कि यह कैसे सम्भव हो सकता है कि मैं पूरे जीवन में ग़लत था तथा क़ुर्आन करीम की शिक्षा से वंचित रहा। अब श्रीमानजी न केवल जमाअत में दाख़िल हा गए हैं बल्कि बड़ी दलेरी से इस्लाम की तबलीग़ करते हैं।

बर्कीना फ़ासो मेहदीआबाद के सईद वजीका साहब बयान करते हैं कि जब हमारे गाँव में अधिकांश लोगों ने अहमदियत क़बूल कर ली तो हमारे एक प्रेमी ने हमें सऊदी अरब बुलाया तथा ख़ाना-ए-कअबा को दिखा कर कहा कि वहाबियत धारण करो, अहमदियत छोड़ दो। मैंने कहा इस पवित्र स्थान की छाँव में खड़े होकर दुआ करता हूँ कि मेरे जीवन में कोई ऐसा अवसर न आए कि मुझे अहमदियत छोड़नी पड़े। अल्लाह तआला मुझे इससे पहले ईमान की अवस्था में मौत दे दे। उनका वह रिश्तेदार बर्कीना फ़ासो मिलने वापस आया तो अलहाज इब्राहीम साहब ने तबलीग़ की तथा वह अहमदी हो गया।

नाईजेरिया में रहने वाले एक दोस्त को अहमदियत क़बूल करने की तौफ़ीक़ मिली। इससे पहले वह विरोधी दल के सक्रिय कार्यकर्ता थे। अहमदियत क़बूल करने के बाद उनको भारी विरोध का सामना

हुआ। एक दिन जब वे खेतों में काम कर रहे थे तो भयंकर तूफ़ान आया। उस समय विरोधियों की यह बात उनके मस्तिष्क में आई कि एक दिन तुम काम से वापस आओगे तो अपना घर नष्ट एवं बर्बाद हुआ देखोगे, तो उन्होंने दुआ की कि ऐ अल्लाह! यदि यह जमाअत तेरी जमाअत है और हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम वही मौऊद मेहदी हैं जिनकी शुभ सूचना रसूले करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने दी थी तो मेरा घर गिरने न देना। वापस आया तो अपन मकान का हर कमरा सुरक्षित पाया, किसी प्रकार की हानि नहीं हुई थी जबकि आस पास के समस्त घरों का विनाश हो गया था उनको विश्वास हो गया कि यह एक इलाही जमाअत है।

दुनिया के विभिन्न क्षत्रां मं अल्लाह तआला क समथंन हज़रत मसोह माऊद अलहिस्सलाम क साथ नज़र आत ह जिन्हान हमं वास्तविक इस्लाम को शिक्षा दो। य घटनाएं अहमदियत को सच्चाइ का प्रमाण ह आर लागां क इमानां का सदढ कर रह ह। अल्लाह तआला दनिया को भो नज़र खाल आर इमान एवं यकोन का कबल करन का सामथ्य प्रदान कर।

ह़ज़र-ए-अनवर न फरमाया कि इन दिनां काविड को महामारो दाबारा फल रहो ह, लागां का सावधान रहना चाहिए।

ह़ज़र अनवर न ख़त्बः ज़्अः क अन्त मं चार मतकां का वणंन फरमाया तथा ज़्अः को नमाज़ क बाद इन मतकां को नमाज़ जनाज़ा गायब पढान को घाषणा भो फरमाइ।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, समपर्क करें-9781831652

टोल फ्री सम्पर्क अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान-18001032131